



Raju

22 Jun 1966

02:15 AM

Jhansi

Model: web-freelalkitab

Order No: 121288504

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 21-22/06/1966
दिन _____: मंगल-बुधवार
जन्म समय _____: 02:15:00 घंटे
इष्ट _____: 52:03:07 घटी
स्थान _____: Jhansi
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

अक्षांश _____: 25:27:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 01:59:16 घंटे
वेलान्तर _____: -00:01:32 घंटे
साम्पातिक काल _____: 19:57:39 घंटे
सूर्योदय _____: 05:25:45 घंटे
सूर्यास्त _____: 19:08:58 घंटे
दिनमान _____: 13:43:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 06:37:22 मिथुन
लग्न के अंश _____: 15:27:21 मेष

चैत्रादि संवत / शक _____: 2023 / 1888
मास _____: आषाढ़
पक्ष _____: शुक्ल
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 3
तिथि समाप्ति काल _____: 18:25:10
जन्म तिथि _____: 4
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: पुष्य
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 25:37:30 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: आश्लेषा
सूर्योदय कालीन योग _____: व्याघात
योग समाप्ति काल _____: 25:43:54 घंटे
जन्म योग _____: हर्षण
सूर्योदय कालीन करण _____: तैतिल
करण समाप्ति काल _____: 07:46:28 घंटे
जन्म करण _____: वणिज
भयात _____: 01:33:47
भभोग _____: 55:06:56
भोग्य दशा काल _____: बुध 16 वर्ष 6 मा 6 दि

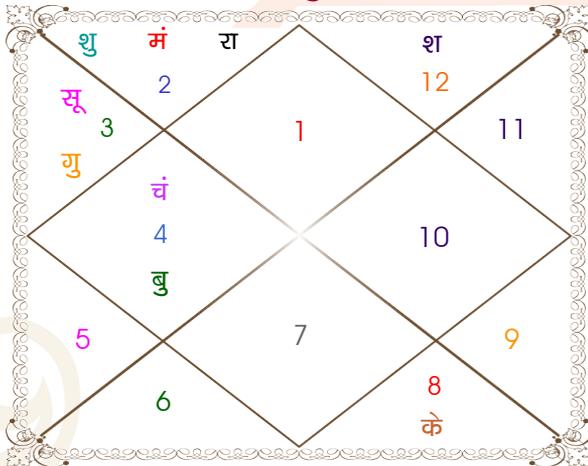
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	मेष	15:27:21	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मिथुन	06:37:22	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
चन्द्र	कर्क	17:02:41	स्वराशि	--	हाँ	--	नेक
मंगल	वृष	23:25:51	सम राशि	--	हाँ	--	नेक
बुध	कर्क	00:19:25	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	मिथुन	16:36:44	शत्रु राशि	--	हाँ	--	नेक
शुक्र	वृष	01:10:45	स्वराशि	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	मीन	05:58:45	सम राशि	--	--	--	नेक
राहु	व वृष	01:27:50	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
केतु	व वृश्चिक	01:27:50	मित्र राशि	--	--	--	मन्दा

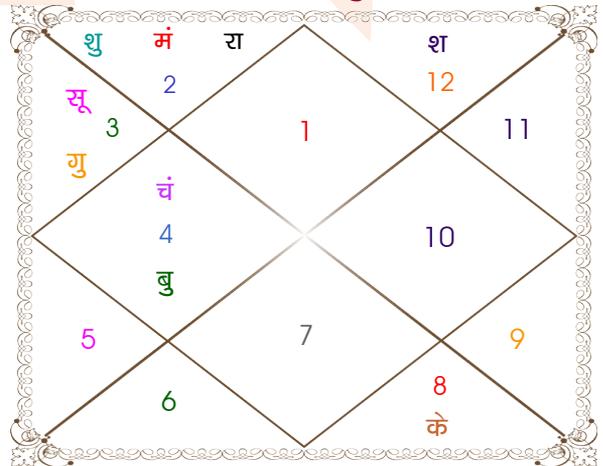
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में तीसरे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आपको परिवार की अधिक जिम्मेदारियों का बोझ पता चलता है और आपकी बहादुरी का आभास भी मिलता है, अर्थात् आप दूसरों की मदद जहां तक कर सकते हैं करेंगे तथा दूसरे लोगों के बर्ताव में आप जहां तक बहादुरी प्रकट करते हैं, करेंगे। आपके घर में आराम के पूरे साधन होंगे। आप उत्साही और फुर्तीले व्यक्ति हैं। आपकी दृष्टि की शक्ति अच्छी है। आप अपने घर में रखे पिस्तौल, बंदूक हथियार आदि सावधानी से रखें। आपके भाई-बंधु और रिश्तेदारों की आर्थिक दशा अच्छी रहेगी। आप अधिक धन खर्च करेंगे। आपके भाई-बहन कई होंगे। आपके साले की आर्थिक हालत अच्छी रहेगी। साले से अच्छा संबंध रहेंगे और उससे लाभ होगा। आप बाग-बगीचा और फलदार वृक्ष लगाएंगे। युवावस्था में आपको कलह से दूर रहना चाहिये। जवानी में बहुत तरक्की करेंगे। गणित और ज्योतिष विद्या में रुचि, सरकारी विभाग से लाभ, मुकद्दमें में जीत होगी।

यदि आपने परिवार वालों से झगड़ा किया, समाज में लोगों को गुमराह किया, ससुराल वालों को तंग किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपके घर में चोरी या बीमारी की आशंका रहेगी। आपके शत्रु भी अधिक होंगे। आपकी किस्मत में उतार-चढ़ाव भी आ सकता है। आपके घर का मुख्य दरवाजा दक्षिण दिशा होना अशुभ है। आपका धन आपकी आंखों के सामने चोरी हो सकता है। ननिहाल पर मंदा असर रहेगा। बिना लिखा-पढ़ी के आर्थिक लेन-देन से अशुभ फल होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोरी के माल से दूर रहें।
2. बुरे काम न करें।

उपाय :

1. माता-दादी का आर्शीवाद लें।
2. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा चौथे घर में है। आपका भाग्य जागेगा। आपको जमीन, जायदाद, भवन और वाहन का उम्दा सुख मिलेगा। पैतृक कारोबार से लाभ होगा। आपको कपड़े के व्यवसाय से लाभ होगा। आपको माता-पिता का पूर्ण सुख मिलेगा। बुढ़ापा सुखपूर्वक गुजरेगा। पैतृक संपत्ति अवश्य प्राप्त होगी। सरकारी खर्च से विदेश की यात्रा करेंगे। आपके पास धन का दरिया होगा जितना खर्च करोगे उतना ही धन बढ़ेगा। माता और लोगों की सेवा करने से माया का दरिया समुद्र बन जाएगा। आपकी उम्र लंबी होगी आपके पास कोई

व्यक्ति अमानत रखे तो लेने के लिए वापस नहीं आएगा। पुत्र पैदा होने के बाद आपकी हालत अच्छी हो जाएगी। आप सरकारी नौकरी या सरकारी ठेकेदारी करेंगे तो दौलत अच्छी मिलेगी। समुद्री सफरों में भी लाभ प्राप्त होगा। माता व पत्नी दोनों से सहयोग प्राप्त होगा। आप राजसी ठाठ भोगेंगे। आपको बुजुर्गों का व्यापार बदलना हानिकारक होगा। आप न्यायमूर्ति या जज भी हो सकते हैं। अच्छे सलाहकार साबित होंगे और आप अपना कोई भी कार्य करने से पहले किसी की सलाह जरूर लें। यह आपके परिवार के लिए हानिकारक है।

यदि आपने दूध-पानी बेचने का काम किया, माता या बूढ़ी स्त्री से झगड़ा किया, दादा-पिता के समय का कारोबार बदला, घर आये मेहमान की सेवा न की तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से यदि आप माता को कष्ट देंगे और उनका विरोध करेंगे तो धन की खराबी और मन की शान्ति भंग होगी। बुजुर्गों की संपत्ति नष्ट होगी। आप किसी का एहसान नहीं मानोगे, माता को कष्ट देना या उसका विरोध करने से, वाहन दुर्घटना का भय रहेगा। यदि आप बुजुर्गों का व्यापार बदलेंगे तो हानि होगी, दूध का बेचना या डेयरी फार्म के काम में हानि होगी और संतान सुख न होगा। मेहमानों की सेवा करने की बजाए उनसे कुछ धन व समान की आशा रखेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. माता का विरोध न करें।
2. दूध-पानी मोल न बेचें।

उपाय :

1. शुभ कार्य शुरु करते या जाते समय पानी या दूध का कुंभ रखें।
2. घर में आये मेहमानों को दूध या मीठा पानी जरूर पिलायें।